भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 835
07 फरवरी, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

सजावटी मछलियों का विलुप्त होना

835. श्रीमती शर्मिष्ठा सेठी:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय घरेलू बाजार में और अन्य देशों में दुर्लभ मछलियों की तस्करी से अवगत है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसे रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या मंत्रालय को भारत में कई दुर्लभ सजावटी मछलियों के विलुप्त होने की जानकारी है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं कि विलुप्त न हो?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) और (ख): पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) के तहत भारत सरकार ने जंगली जानवरों का अवैध शिकार और जंगली जानवरों तथा उनसे संबन्धित वस्तुओं के अवैध व्यापार के बारे में खुफिया जानकारी प्राप्त करने एवं वन्यजीव कानूनों के प्रवर्तन में अंतर-राज्यीय और सीमा-पार समन्वय के लिए एक वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो/वाईल्डलाईफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) की स्थापना की है । 2019 से डबल्यूसीसीबी ने शार्क फिन तस्करी की कुल पांच घटनाओं की सूचना दी है और संबंधित अधिकारियों द्वारा वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों और एफ टी (डी एंड आर) अधिनियम 1992 के साथ पठित कस्टम एक्ट, 1962 के तहत कार्रवाई की गई है। वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नियमित अलर्ट, सलाह जारी करता है और वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, जंगली जीव जंतुओं और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (सीआईटीईएस) और ऐसी वस्तुओं को नियंत्रित करने वाली एक्सिम नीती के प्रावधानों के अनुसार कस्टम अधिकारियों को वनस्पतियों और जीवों के कनसाईमेंट के निरीक्षण में सहायता और सलाह देता है।

(ग) और (घ): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और ज़ूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जेडएसआई) ने रिपोर्ट किया है कि भारत में सजावटी मत्स्य प्रजातियाँ विलुप्त नहीं हो रहीं हैं । स्वदेशी सजावटी मत्स्य के घटते स्टॉक के संरक्षण के लिए अनुसंधान संस्थाएं आईसीएआर के तत्वावधान में सेंसिटीईज़ेशन और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं । इसके अलावा, आईसीएआर ने संभावित सजावटी फिनफिश/शेलफिश के बीज उत्पादन और पालन (कल्चर) प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए सजावटी मत्स्य पालन पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना शुरू की है।

***